

सुर-गिरि पुं. (तत्.) मेरु पर्वत।

सुरगी पुं. (देश.) देवता वि. स्वर्ग का रहने वाला।

सुरगी नदी स्त्री. (देश.+तत्.) गंगा।

सुर-गुरु पुं. (तत्.) देव-गुरु, बृहस्पति।

सुर-गृह पुं. (तत्.) दे. सुर-कुल।

सुर-गैया स्त्री. (तत्.+तद्.) कामधेनु गाय।

सुर-ग्रामणी पुं. (तत्.) देवताओं के नेता इंद्र।

सुरघाती पुं./वि. (तद्.) देवों का संहार करने वाला,
सुर-संहारक।

सुर-चाप पुं. (तत्.) इंद्रधनुष।

सुरच्छन पुं. (तद्.) दे. सुरक्षण।

सुरज पुं. (तद्.) दे. सूर्य।

सुरजन पुं. (तत्.) 1. देवता या देव-समूह प्र./वि.
(देश.) 1. सज्जन 2. चतुर।

सुरजनपन पुं. (देश.) 1. सज्जनता, अलमनसत 2.
चालाकी, होशियारी।

सुरजा स्त्री. (तत्.) 1. एक नदी 2. एक अप्सरा।

सुरजुथ पुं. (तत्.+तद्.) देव-समूह।

सुरझना स्त्री. (देश.) दे. सुलझना।

सुरझाना/सुरझावना स.क्रि. (देश.) दे. सुलझाना।

सुर-टीप स्त्री. (देश.) सुर का आलाप, स्वरालाप।

सुरत स्त्री. (तद्.) 1. स्मृति, याद, स्मरण 2. ध्यान,
सुध वि. अति अनुरक्त, क्रीड़ाशील पुं. (तत्.) संभोग,
कामक्रीड़ा, रतिक्रीड़ा, मैथुन।

सुरत-ग्लानि स्त्री. (तत्.) सुरत-जनित शिथिलता,
थकावट।

सुरता स्त्री. (तत्.) 1. सूर अर्थात् देवता होने की
अवस्था या भाव 2. देवत्व 3. देवताओं का
समूह 4. रति-सुख वि. (देश.) समझदार और
सयाना, होशियार।

सुरतात पुं. (तत्.) 1. देवताओं के पिता, कश्यप
ऋषि 2. देवताओं के राजा, इंद्र।

सुरतान स्त्री. (तत्.) 1. गायन के सुर पर
आधारित तान 2. सुर/स्वर और तान।

सुरताल स्त्री. (तत्.) संगीत में सुर और ताल।

सुरति गोपना स्त्री. (तत्.) साहित्य में ऐसी
नायिका जो रति-क्रीड़ा करके आई हो और अपनी
सखियों आदि से यह बात छिपाती है।

सुरति¹ स्त्री. (तत्.) 1. काम-क्रीड़ा, भोग विलास 2.
प्रेम 3. चित की अनुरागात्मिका वृत्ति 4. स्मृति,
स्मरण, याद 5. ध्यान, सुध 6. अनहद नाद।

सुरति² स्त्री. (फा.) सूरत, आकृति, रूप, शक्ल उदा.
कवन सुरति के करहु सलामा -कबीर।

सुरतिकमल पुं. (तत्.) हठयोग में आठ कमलों या
चक्रों में से अंतिम चक्र जिसका स्थान मस्तक
में सहस्त्रार के ऊपर माना गया है।

सुरति-निरति स्त्री. (तत्.) परवर्ती हठ-योगियों की
परिभाषा में अंतर्नाद सुनना और उसी में लीन
हो जाना, परमात्मा का प्रेमपूर्ण-ध्यान और पूर्ण
रूप से नाद ब्रह्म में लय उदा. सुरति समानी
निरति में, निरति रही निरधार-कबीर।

सुरतिय स्त्री. (तत्.) 1. देवांगना, देवी 2. अप्सरा।

सुरतिवंत वि. (तत्.) सुरतिवान, कामातुर।

सुरतिविचित्रा स्त्री. (तत्.) साहित्य में ऐसी मध्या
नायिका जिसकी रति-क्रिया विचित्र हो।

सुरती स्त्री. (देश.) 1. तंबाकू का पत्ता 2. उक्त
पत्तों का वह चूरा, जो पान के साथ या यों ही
चूना मिलाकर खाया जाता है, खैनी।

सुर-तोषक पुं. (तत्.) कौस्तुभ मणि।

सुरत्न पुं. (तत्.) 1. उत्तम या बढ़िया रत्न 2.
माणिक लाल 3. स्वर्ग, सोना वि. 1. उत्तम रत्नों
से युक्त 2. सब में श्रेष्ठ।

सुरत्राण वि. (तद्.) सुरत्राता।

सुरत्राता पुं. (तत्.) देवताओं की रक्षा करने वाला।

सुरत्रिगंध वि. (तत्.) सुरभित, सुगंधित पुं. तेजपत्ता।

सुरत्व पुं. (तत्.) देवत्व, देवतापन।

सुरथंबरी स्त्री. (तत्.) खुरपौरी।